DATE: 30-04-2020 DAY: THURSDAY

E-Content
(Home Assignment)

CLASS-V

SUBJECT- ENGLISH

ENGLISH

CLASS-V

Day-4 THURSDAY (APRIL 30)

(Revision Work)

Q:1 Change the Gender

a) My father has two nieces

b) The duke had a beautiful white horse

c) The wizard turned the goose into a tigress

Q:2 Change the number (Plural)

a) An ox is ploughing the field.

b) That knife is blunt

c) A rabbit has long ears.

Q:3 Fill the Subject:-

a) ____ start fighting whenever their parents are away.

b) ____ love to go rafting in the river.

Q:4 Write the predicate.

a) This island ____

b) Jennifer ____

c) An actor ____

DATE: 30-04-2020 DAY: THURSDAY

SUBJECT- MATH

V std Maths 30.4.20

Revision Ex 3(A)

Q1: Arrange in columns and add

(a) 879672; 4836780; 96084782; 673495782

(b) 49567; 3068235 and 94576321

Q2: Arrange in columns and subtract

(a) 89266942 from 105907823

(b) 1100512 from 50705936

(c) Ten crore ninety lakh from nine crore

Q3: Simplify:

(a) 263142 − 79531 − 13648

(b) 12603589 + 553762 − 6587489

Do given sums in Rough notebook

Scanned with CamScanner

SUBJECT- PUNJABI

ਜਮਾਤ - ਪੰਜਵੀਂ
ਵਿਸ਼ਾ - ਪੰਜਾਬੀ
ਦਿਨ - ਵੀਰਵਾਰ
ਮਿਤੀ - 30.4.2020

ਦੁਹਰਾਈ (Revision)

=> ਸ਼ੁੱਧ ਰੂਪ ਦੀ ਦੁਹਰਾਈ ਕਰਕੇ ਲਿਖੋ।

=> ਸਕੂਲ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਨੂੰ ਫੀਸ ਮੁਆਫ਼ ਕਰਵਾਉਣ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਪੱਤਰ ਲਿਖੋ।

Note :- ਸਾਰਾ ਕੰਮ Rough Notebook ਉੱਪਰ ਕਰੋ।

DATE: 30-04-2020 DAY: THURSDAY

ਜਮਾਤ - ਪੰਜਵੀ
ਮਿਤੀ - 09.04.2020
ਦਿਨ - ਵੀਰਵਾਰ
ਵਿਸ਼ਾ - ਪੰਜਾਬੀ

(ਪੱਤਰ ਦੇ ਢਾਂਚੇ (Format) ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਵਿੱਚ ਰੱਖਦੇ ਹੋਏ ਪੱਤਰ ਲਿਖੋ ।)

ਆਪਣੇ ਸਕੂਲ ਦੇ ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਨੂੰ ਫੀਸ ਮੁਆਫੀ ਲਈ ਬੇਨਤੀ ਪੱਤਰ ਲਿਖੋ ।

ਸੇਵਾ ਵਿਖੇ

ਪ੍ਰਿੰਸੀਪਲ ਸਾਹਿਬਾ,
-------ਸਕੂਲ,
-------ਸ਼ਹਿਰ ।

ਵਿਸ਼ਾ:- ਫੀਸ ਮੁਆਫੀ ਲਈ ।

ਸ਼੍ਰੀਮਤੀ ਜੀ,

ਸਨਿਮਰ ਬੇਨਤੀ ਹੈ ਕਿ ਮੈਂ ਆਪ ਜੀ ਦੇ ਸਕੂਲ ਵਿੱਚ ਪੰਜਵੀਂ ਜਮਾਤ ਦਾ ਵਿਦਿਆਰਥੀ / ਦੀ ਵਿਦਿਆਰਥਣ ਹਾਂ । _ ।

ਧੰਨਵਾਦ ।

ਆਪ ਜੀ ਦਾ ਆਗਿਆਕਾਰੀ,
_ _ _ _ _ _ _ _ _ ਨਾਮ,
_ _ _ _ _ _ _ _ ਜਮਾਤ ।

ਮਿਤੀ;- 9 ਅਪਰੈਲ, 2020

S

DATE: 30-04-2020 DAY: THURSDAY

SUBJECT- HINDI

2 कबूतर की चतुराई

पाठ-प्रवेश

हमें हमेशा प्रकृति के अनुरूप चलना चाहिए। हम सभी को पता है कि जल-प्रदूषण और वायु-प्रदूषण से हमें ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षियों को भी समस्या होती है। इसलिए हमें इन सभी के प्रति जागरूक रहना चाहिए।

राजा ने अपने आराम के लिए जंगल में एक महल बनवाया था। महल अब बहुत पुराना हो चुका था, उसके अब कुछ खंडहर ही बचे थे। महल के खंडहर में बहुत सारे कबूतर रहते थे। जब वे सारे कबूतर एक साथ आसमान में उड़ते थे, तो उन्हें देखकर मन को बड़ी प्रसन्नता मिलती थी।

इन सभी कबूतरों में एक कबूतर सफ़ेद रंग का था। उसकी चोंच और पंजे नीले रंग के थे। सभी कबूतर उसे राजा मानते थे। जब वह उड़ता था, तो वह महल के पीछे बहती नदी के पानी में अपनी सूरत देखकर खुश हो जाता था।

'ईश्वर ने मुझे इन सबसे अलग और सुंदर बनाया है, तो मुझे कुछ अलग भी करना चाहिए।' ऐसा वह हमेशा सोचता था। जंगल में एक दिन सभी कबूतरों की सभा हो रही थी। लेकिन कबूतरों का मुखिया कुछ ज़्यादा ही चिंतित था। सभी कबूतर आपस में अपनी-अपनी बात पर विचार-विमर्श कर रहे थे कि आजकल पेड़ लगातार कम होते जा रहे हैं। जब हम दाना चुगने जाते हैं, तो शिकारी या शैतान बच्चे गुलेल से हम पर निशाना साधते हैं। हमें दाने की खोज में दूर-दूर तक जाना पड़ता है। बाज का डर भी अलग से बना रहता है। सभी कबूतरों ने अपना-अपना सुझाव दिया।

DATE: 30-04-2020 DAY: THURSDAY

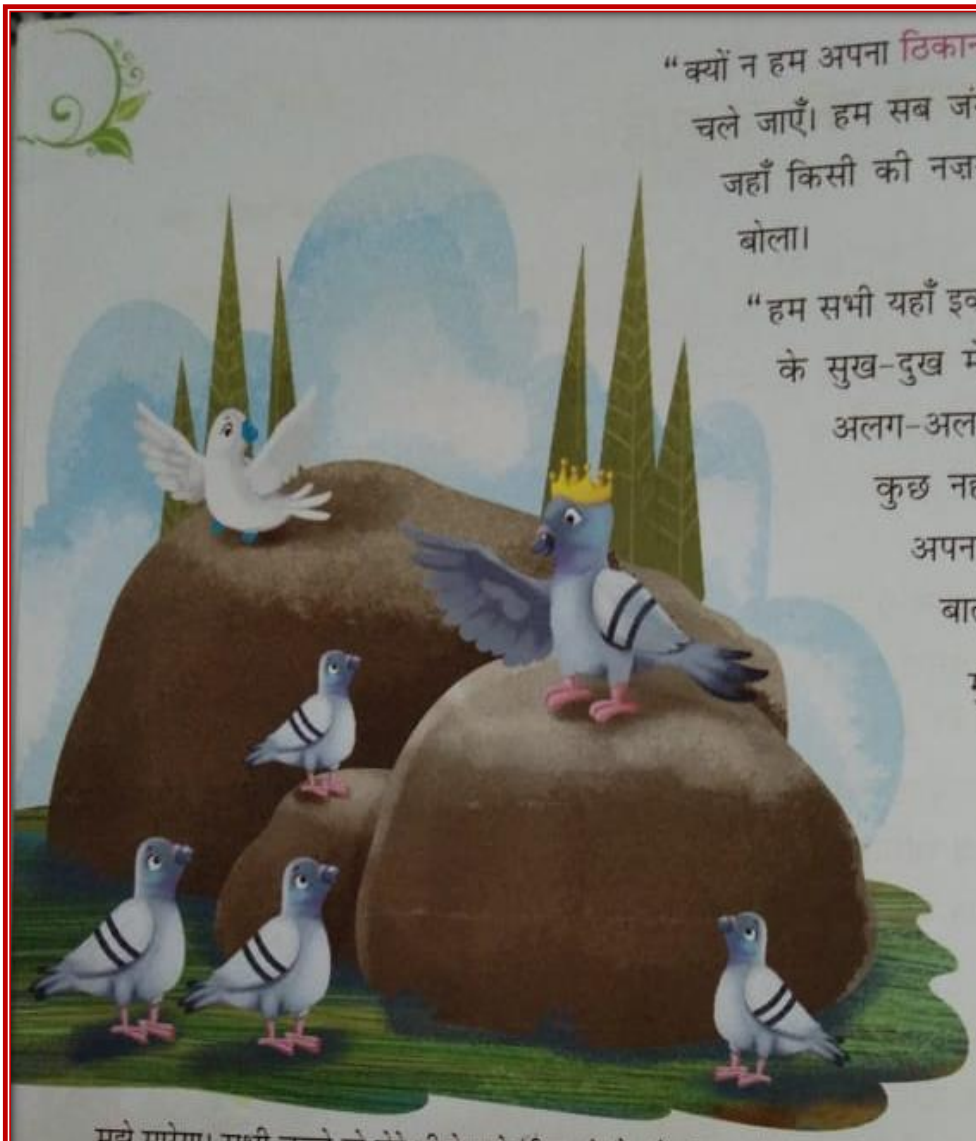

"क्यों न हम अपना ठिकाना बदल लें। यहाँ से बहुत दूर चले जाएँ। हम सब जंगल के भीतर चले जाते हैं, जहाँ किसी की नज़र ही न पड़े।" एक कबूतर बोला।

"हम सभी यहाँ इकट्ठे रहते हैं और एक-दूसरे के सुख-दुख में काम आते हैं। अगर हम अलग-अलग हो जाएँगे, तो हम सब कुछ नहीं कर पाएँगे। फिर डरकर अपना घर छोड़ देना यह भी कोई बात नहीं हुई।" मुखिया बोला।

मुखिया का कहना भी ठीक था। हम सब कब तक डरकर भागेंगे? सफ़ेद कबूतर सबकी बातें बड़े ध्यान से सुन रहा था। वह सोचने लगा– 'मैं तो इन सबसे अलग और सुंदर हूँ। सबसे पहले शिकारी मुझे मारेगा। सभी बच्चे तो मेरे पीछे पड़े ही रहते हैं। मैं ही यहाँ से दूर चला जाता हूँ।'

उसने निर्णय लिया और वह सबकी नज़र बचाकर दूर आसमान में उड़ गया।

अब वह कबूतर उड़ते-उड़ते एक बड़े-से शहर में जा पहुँचा और एक पेड़ पर बैठकर आराम करने लगा। उस पेड़ पर चील का घर था। थोड़ी देर में चील वहाँ आकर बैठ गई। चील ने देखा कि एक कबूतर उसके पेड़ पर बैठा हुआ है। चील बोली– "ऐ कबूतर, तू इस पेड़ पर कैसे आ बैठा? जानता नहीं इस पेड़ की स्वामिनी मैं हूँ। मेरी इज़ाज़त के बिना यहाँ कोई नहीं बैठता।" कबूतर मन में सोचने लगा– 'पेड़ों पर तो बहुत-से पक्षियों का बसेरा होता है।' तभी चील गुस्से में बोली– "तुम जाते हो या नहीं यहाँ से, वरना मैं दूसरी चीलों को बुलाऊँ।" कबूतर घबरा गया और डरकर वहाँ से उड़ गया।

फिर वह उड़ते-उड़ते एक चिड़ियाघर में जा पहुँचा। उसने देखा कि वहाँ बड़े-बड़े शेर, चीते, भालू पिंजरे में बंद थे। कबूतर की तो डर के मारे जान ही निकल गई और वह सोचने लगा– 'इतने सारे जानवर यहाँ

DATE: 30-04-2020 DAY: THURSDAY

पर, मुझे भी कोई पिंजरे में ऐसे ही बंद ना कर दे।' उसने निर्णय लिया कि मैं यहाँ से उड़ जाता हूँ। लेकिन कबूतर बहुत परेशान था। उसका गला प्यास से सूखा जा रहा था। उसे कहीं पानी भी नहीं दिख रहा था। उड़ते-उड़ते उसने थोड़ी ही दूरी पर एक नदी देखी। लेकिन वह नदी का पानी देखकर हैरान हो गया क्योंकि उस नदी का पानी बहुत गंदा था, जिसे वह पी नहीं सकता था। और उस पानी में उसकी परछाई भी ठीक से दिखाई नहीं दे रही थी। वह सोचने लगा– 'जंगल का पानी स्वच्छ तो था जिसे हम पी सकते थे। यहाँ के सब लोग इतना गंदा पानी पीते हैं?' वह वहाँ से परेशान होकर उड़ गया।

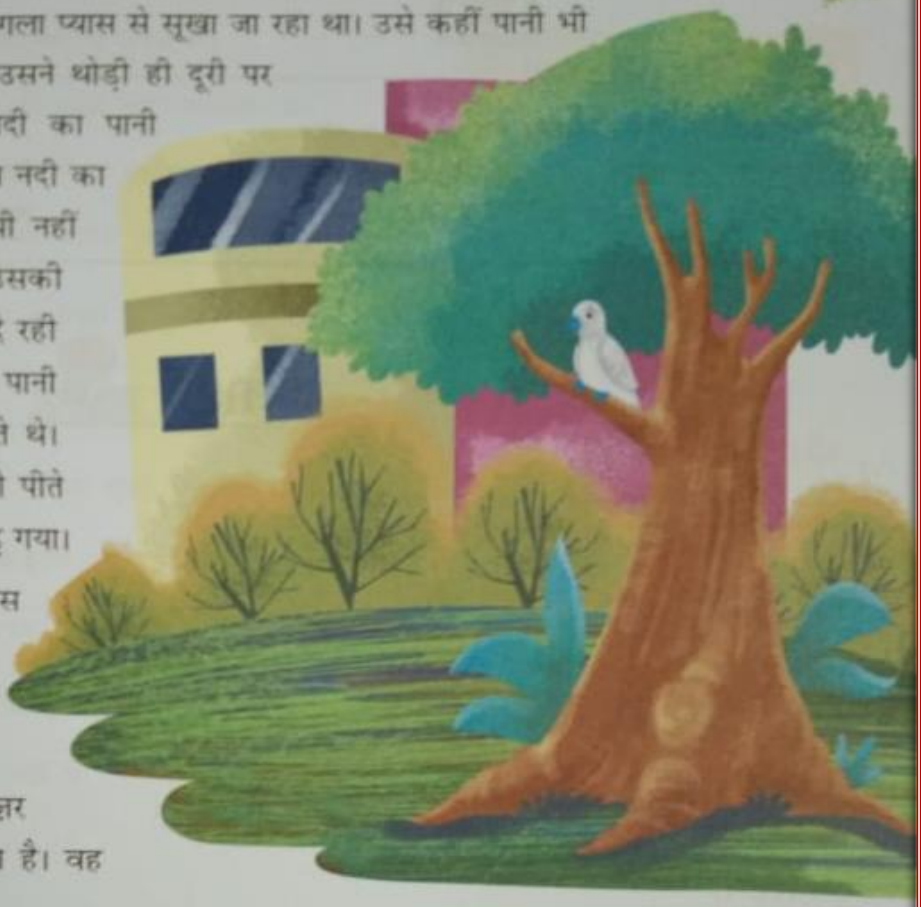

उड़ते-उड़ते वह एक फैक्ट्री के पास से गुजरा। अचानक उसकी आँखें और गला खराब होने लगा। उसने देखा कि आसमान काला हो रहा है और वह जैसे-जैसे वहाँ से गुज़र रहा है, वैसे-वैसे ही दम घुट रहा है। वह बेहोश होकर ज़मीन पर गिर पड़ा।

उसने सोचा– 'मेरे सभी साथी ऐसी जगह नहीं रह सकते। यहाँ तो बिना इजाज़त के कुछ भी नहीं कर सकते, यहाँ पर तो पेड़ों पर बैठने तक की इजाज़त लेनी पड़ती है। यह सब सोचता हुआ, वह अपने घर की तरफ़ उड़ चला। जब वह अपने घर पहुँचा और नदी में अपनी परछाई देखी, तो वह घबरा गया क्योंकि वह सफ़ेद से काला हो चुका था। अब उसे अपने-आप पर रोना आ रहा था। उसके सभी साथी उसे पहचान नहीं पा रहे थे। उसने सोचा– 'आज के बाद मैं कभी अकेला नहीं जाऊँगा और सभी के साथ मिलकर रहूँगा।'

क्या सीखा

घमंड न करना सबके साथ मिल-जुलकर रहना, पर्यावरण प्रदूषण क प्रति जागरूकता।